



॥ श्री सूर्य देव नित्य स्तुति ॥  
सुख संपत्ति बढत सदा, मिटत सकल  
दुख भारी

---

# FULL DISCLAIMER

---

*This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.*

*This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.*

*Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.*

*Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.*

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS  
AT YOUR DOOR"

## ॥ श्री सूर्य देव नित्य स्तुति ॥

प्रातः स्मरामि खलु तत्सवितुर्वरेण्यं  
रूपं हि मण्डलमृचोऽथ तनुर्यजूषि।  
सामानि यस्य किरणाः प्रभवादिहेतुं  
ब्रह्माहरात्मकमलक्ष्यमचिन्त्यरूपम्॥  
प्रातर्नमामि तरणिं तनुवाङ्मनोगं  
ब्रह्मेन्द्रपूर्वकसुरैर्नुतमर्चितं तम्।  
वृष्टिप्रमोचनविनिग्रहहेतुभूतं  
त्रैलोक्यपालनपरं त्रिगुणात्मकं च॥  
प्रातर् भजामि सवितारमनन्तशक्तिं  
पापौघशत्रुभयरोगहरं परं तम्।  
सर्वलोककलनात्मककालमूर्तिं  
गोक्षीरसदृशममलं गुणरत्नभाजम्॥  
आदिदेव नमस्तुभ्यं प्रसीद मम भास्कर।  
दिवाकर नमस्तुभ्यं प्रभाकर नमोऽस्तु ते॥  
सप्ताश्वरथमारूढं प्रचण्डं कश्यपात्मजम्।  
श्वेतपद्मधरं देवं तं सूर्यं प्रणमाम्यहम्॥

### ॥ सूर्य प्रार्थना ॥

ॐ घृणिः सूर्य आदित्यः ॥

### ॥ फल ॥

जो भक्त प्रतिदिन प्रातःकाल श्रद्धा से सूर्य नित्य स्तुति का पाठ करता है,  
उसे आरोग्य, तेज, यश, आत्मबल तथा सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होती है।

## ॥ इति श्री सूर्य देव नित्य स्तुति सम्पूर्ण ॥